कुशल प्रशासन और अध्यात्म का संतुलन ज़रूरी

जालोर-राज.। कुशल प्रशासन के लिए आध्यात्मिकता नितांत आवश्यक है। आध्यात्मिकता और राजयोग के माध्यम से ही हम एक सशक्त और सुखी समाज बना सकते हैं। वर्तमान समय आवश्यकता है कि युवा वर्ग ज़्यादा से ज़्यादा आध्यात्मिक और सकारात्मक रवैया अपनाए। उक्त विचार जालौर के कलेक्टर निशांत जैन ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता' विषय पर आयोजित सम्मेलन में व्यक्त किये। साथ ही उन्होंने माउण्ट आबू का अनुभव भी साझा किया। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा कि समाज में बहुत सारी निगेटिव खबरें हैं परंतु राजयोग हमें शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। समाज से क्राइम को कम करना है तो अध्यात्म का सहारा लेना होगा। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग की सब ज़ोन इंचार्ज एवं ज़ोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी ने कहा कि केवल काम के बारे में सोचना या सिर्फ फायदे के बारे में ही सोचना, इसे सही प्रशासन नहीं कहेंगे। अच्छे सफल प्रशासन के लिए अपने कर्मचारियों के बारे में सोचना, उनकी समस्याओं को समझना, विनम्रता पूर्ण व्यवहार करना, यह बहुत ज़रूरी है। ब्र.कु. हरीश भाई,मुख्यालय संयोजक, प्रशासक सेवा प्रभाग,मा. आबू ने कहा कि प्रशासन का मतलब है सबसे पहले स्व पर शासन, अपनी कर्मेन्द्रियों पर शासन। ब्र.कु. डॉ. रीना बहन,भोपाल ने कहा कि प्रशासन में लव और लॉ का बैलेन्स रखना बहुत ज़रूरी है। सीताराम मीणा,पूर्व आई.ए.एस.,मोदीनगर ने कहा कि चाहे घर परिवार हो, समाज हो, कोई समुदाय हो, संस्था हो या गवर्नमेंट हो, सभी में प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यकता होती है। कहते हैं जैसी मन की अवस्था होती है वैसी ही बाहर की व्यवस्था होती है। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रंजू दीदी ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया।

'कल्प तरु' प्रोजेक्ट का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

शहर के मेयर सहित कॉर्पोरेटर्स, एनजीओज़ के प्रतिनिधि तथा अन्य विशिष्ट जनों सहित मीडियाकर्मी भी हुए शामिल

गांधीनगर से.8-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'कल्प तरु' परियोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल ने परियोजना एवं कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सामाजिक प्रवृत्तियों में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाना वर्तमान समय की अति महत्वपूर्ण ज़रूरत है। इस ज़रूरत के तहत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गुजरात में 6 लाख पौधे लगाये जा रहे हैं जो अति हर्ष का विषय है। ब्रह्माकुमारीज़ का 'कल्प तरु' प्रोजेक्ट नई ऊर्जा देने वाला बनेगा ऐसी आशा भी मुख्यमंत्री ने व्यक्त की।

पौधा रोपण कर 'कल्प तरु' प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते हुए माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी तथा गांधीनगर संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कैलाश दीदी।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता माउण्ट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी ने 'कल्प तरु' प्रोजेक्ट एवं संस्था के सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे प्रोजेक्ट की सभी को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय मानव जीवन के लिए जितने वृक्ष होने चाहिए, वो रेशियो दिन ब दिन घटता जा रहा है, ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शुरु हुआ 'कल्प तरु' प्रोजेक्ट संजीवनी बनेगा। गांधीनगर संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कैलाश दीदी ने माननीय मुख्यमंत्री सहित सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था आध्यात्मिक अभिगम के साथ ऐसे प्रोजेक्ट के माध्यम से राष्ट्र सेवा में भी अग्रसर है। यहाँ आप सर्व महानुभावों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि कोई श्रेष्ठ कार्य होने जा रहा है और निश्चित ही आप सभी के सहयोग से यह श्रेष्ठ कार्य सफल होगा। कार्यक्रम में मेयर श्री हितेश भाई मकवाना, गांधीनगर दक्षिण के एम.एल.ए. श्रीशंभु ठाकोर, डिप्टी मेयर प्रेमल सिंह गोल, महानगर भाजप अध्यक्ष रुचिर भट्ट, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन जशु पटेल, कलेक्टर डॉ. कुलदीप आर्य आदि महानुभावों सहित कैपिटल ऑफ़सेट्स के रमेश पटेल, साइंटिस्ट एवं ग्लोबल हॉस्पिटल माउण्ट आबू के ट्रस्टी ब्र.कु. रश्मि भाई आचार्य, मोरबी ओम शांति स्कूल के ट्रस्टी ठाकरसी पटेल, भाजप के पदाधिकारी, कॉर्पोरेटर्स, एनजीओ प्रतिनिधि, रोटरी क्लब प्रमुख पार्थ ठक्कर तथा मीडियाकर्मी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मंच संचालन मणिनगर सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. नेहा बहन ने किया।

पंजाब सरकार एवं ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'नशा विरोधी अभियान' का आगाज़

लुधियाना-पंजाब। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पंजाब सरकार के सहयोग से गुरू नानक स्टेडियम में लुधियाना उपायुक्त डीसी सुरभि मलिक, विधायक मदन लाल बग्गा, विधायक गुरप्रीत गोगी, विधायक अशोक पराशर, लुधियाना के पुलिस कमिश्नर कौस्तुभ शर्मा, खन्ना एडीसी अमरजीत सिंह बैंस, जिला जनसंपर्क अधिकारी पुनीत पाल सिंह गिल, जिला खेल अधिकारी रविंदर सिंह, खालसा कॉलेज फॉर वुमेन श्रीमति डॉ. मुक्ति गिल, परवीन बंसल तथा ब्रह्माकुमारीज़ की लुधियाना प्रभारी ब्र.कु. सरस्वती दीदी द्वारा ड्रग विरोधी अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत पुलिस कमिश्नर कौस्तुभ शर्मा ने नशा उन्मूलन की पहल के लिए ब्रह्माकुमारीज़ का सराहना करते हुए हर तरह की सहायता प्रदान करने के लिए अपनी बेहद रुचि दिखाई। एवरेस्ट योग संस्थान ने इस दौरान योग सत्र आयोजित किया। मुख्य वक्ता मनोचिकित्सक,अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक एवं प्रसिद्ध लेखक डॉ. गिरीश डी. पटेल ने नशों के दुष्प्रभाव के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए बताया कि शरीर के लिए योग और मन के लिए मेडिटेशन व्यक्ति को किसी भी नशे से छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मन की शांति ही सफलता की कुंजी है। इसके साथ ही अन्य सभी अतिथियों एवं वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। इंडियाज़ गॉट टैलेंट के प्रतियोगी जेपी डांस एकेडमी ने 'नशा एक सज़ा है' गाने पर प्रस्तुति दी। नाटक के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ युवा समूह द्वारा नशा विरोधी संदेश भी दिया गया। जिला प्रशासन, नगर निगम, सीएमओ कार्यालय, युवा मामले, खेल एवं जिला खेल कार्यालय के कर्मचारियों, भारतीय खेल प्राधिकरण, गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, खालसा कॉलेज फॉर वुमेन तथा रामगढ़िया कॉलेज के बहुमूल्य सहयोग से यह आयोजन सफल रहा।

[[300 गांवों तक पहुंचेगा यह अभियान]]

[[नशा विरोधी जागरुकता शिविरों का होगा आयोजन]]

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

चिकित्सा सेवा मानवीय सेवा का प्रथम पहलू है

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के ग्लोबल लाईट हाउस सेवाकेन्द्र में चिकित्सकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में संस्था के पूर्वांचल मीडिया एवं जन सम्पर्क प्रभारी ब्र.कु. विपिन ने बताया कि चिकित्सा सेवा माननीय सेवा का प्रथम पहलू है। परमात्मा जीवन दाता है तो चिकित्सक जीवन रक्षक हैं। चिकित्सकों को भगवान का दूसरा रूप इसलिए कहा गया कि भगवान के बाद चिकित्सकों से ही व्यक्ति जीवन की आश और उम्मीद रखता है। इस मौके पर सुप्रसिद्ध बाल चिकित्सक डॉ. आदित्य सिंह, जनरल फिज़ीशियन डॉ. योगेश्वर सिंह, नीरजा डायग्नोस्टिक के डॉ. अभिषेक सिंह, वरिष्ठ फिज़ीशियन डॉ. निरंकार जायसवाल, होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. रामानंद यादव, डॉ. शैलेन्द्र जायसवाल आदि ने अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सम्मानित चिकित्सकों ने कहा कि देश और मानवता की सेवा के लिए निजी स्वार्थ और धन दौलत की अत्यधिक लालसा को त्यागकर आगे आने की जरूरत है। वक्ताओं ने कहा कि दुःखी नर नारायण की सेवा में अपना जीवन व्यतीत करते हुए एक चिकित्सक को धन के साथ आंतरिक सुख, शान्ति और सुकून की ज़िंदगी के लिए दुआयें भी कमाने की ज़रूरत है। उन्होंने सम्मान के लिए ब्रह्माकुमारीज़ परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे हमें अपनी सेवा में और अधिक समर्पण भाव से कार्य करने का बल और प्रेरणा प्राप्त हुई है। कार्यक्रम में ब्र.कु. राधिका दीदी, ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. प्रभा, ब्र.कु पूजा, ब्र.कु. पूर्णिमा, ब्र.कु. खुशी आदि बहनों ने अतिथियों का स्वागत किया। ब्र.कु. तापोशी बहन ने कार्यक्रम का संचालन किया।

योगा 'तन' को और मेडिटेशन 'मन' को रखता है स्वस्थ

उज्जैन-ऋषि नगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर शिव दर्शन धाम के हारमनी हॉल में डॉक्टर्स के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. जया मिश्रा,गायनेकोलॉजिस्ट,डायरेक्टर,जे.के. नर्सिंग होम एंड स्टैनफोर्ड स्कूल ने कहा कि मरीज और डॉक्टर का सम्बंध विश्वास पर टिकता है। मरीज के विश्वास का ही फल है कि डॉक्टर उसका इलाज कर पाता है। डॉ. महेश मरमट,ऑर्थो स्पेशलिस्ट ने कहा कि डॉक्टर को भगवान न समझें। वो इंसान है और उसे इंसान ही रहने दें। गलती उससे भी हो सकती है। डॉ. सुशील गुप्ता,एम.डी. मेडिसिन, डायरेक्टर,एस.एस. हॉस्पिटल ने कहा कि फैमिली डॉक्टर वह ब्रिज है जो मरीज और स्पेशलिस्ट डॉक्टर को जोड़ता है। उसकी भूमिका बहुत बड़ी होती है। डॉ. श्रीपाल देशमुख,चाइल्ड स्पेशलिस्ट,डायरेक्टर, देशमुख हॉस्पिटल ने कहा कि आज के समय में फिज़िकल हेल्थ, मेंटल हेल्थ और इमोशनल हेल्थ तीनों का ही ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। डॉ. भोजराज शर्मा,आर.एम.ओ. सिविल हॉस्पिटल उज्जैन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू में मेडिकल कॉन्फ्रेन्स 'माइंड बॉडी मेडिसिन' आयोजित किया जाता है। जिसमें हम यह समझते हैं कि किसी भी बीमारी के इलाज में पहली भूमिका मन की फिर शरीर और अंत में मेडिसिन की है। राजयोग के निरंतर अभ्यास से हमारा मन शक्तिशाली बनता है, शांत और धैर्यचित्त भी। डॉ. विमल गर्ग,एम.डी. मेडिसिन ने फैमिली डॉक्टर की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही अपने अनुभव से उन्होंने कहा कि राजयोग से मन में शीतलता, शांति और संतुष्टता की प्राप्ति होती है। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उषा दीदी ने सभी डॉक्टर्स को सम्मान पत्र देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. मंजू दीदी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र बंसल,ई.एन.टी. स्पेशलिस्ट,डायरेक्टर,संजीवनी हॉस्पिटल, डॉ. विकास उथरा,चेस्ट स्पेशलिस्ट, डॉ. निलेश व्यापारी,होम्योपैथी, डॉ. राजेश मेहता,रेडियोलॉजिस्ट, डॉ. रुचि उतरा,डेंटिस्ट आदि डॉक्टर्स उपस्थित रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th July, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org